Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR HOME SCIENCE SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियॉ		
1.	PROGRAM TITLE : प्रोग्राम का शीर्षक	Home Science गृहविज्ञान
2.	PROGRAM TYPE : प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : प्रोग्राम का कोड	
4.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR UG	After completion of B.sc (home science) course - 1. Student will learn occupation knowledge to become independent in various areas. 2. Student will become skilled and trained home scientist. 3. They will develop innovative abilities. 4. They will develop adjustment capacity in family and external environment (social, economic, cultural occupational, political etc). 5. Student will develop independent thinking ability. 6. Student will identify moral values; they will follow these moral values in their personal life and established them in society. 7. They will develop disaster management skills with respect to family, community and national. 8. Student will learn rights and duties awareness from which they can stop gender discrimination and exploitation. 9. Student will get education and training to work in government and non government institutions, forms, industries, corporate and different occupations. 10. Students will learn to established Healthy society.
	स्नातक स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	बी.एससी (गृहविज्ञान) के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात – 1. छात्रायें विभिन्न क्षेत्रो में आत्मनिर्भर बनने हेतु व्यवसायिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगीं। 2. छात्रायें कुशल व प्रशिक्षित गृहवैज्ञानिक बन सकेंगीं। 3. उनमें नवाचार की क्षमता विकसित होगी। 4. उनमें पारिवारिक एवं बाह्य (सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, व्यवसायिक, राजनैतिक आदि) पर्यावरण के साथ सामायोजन करने की क्षमता विकसित होंगीं। 5. छात्राओं में स्वतंत्र चिंतन की क्षमता विकसित होंगीं। 6. छात्राओं में उच्च नैतिक मूल्यों को पहचान कर स्वंय के जीवन में आत्मसात करने के साथ–साथ समाज में उन्हें स्थापित करने की इच्छा व क्षमता विकसित होगी। 7. उनमें पारिवारिक, सामुदायिक व राष्ट्रीय आपदाओं से बचाव एवं निराकरण की क्षमता विकसित होंगीं। 8. छात्रायें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगीं जिससे समाज में लिंग भेद असामनता एवं षोषण समाप्त किया जा सकेगा। 9. छात्राओं को शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों, फर्मों उधोगों, निगमों उपक्रमों एवं व्यवसायों में कार्य करने हेतु शिक्षित प्रशिक्षित हो सकेंगीं। 10. छात्राओं को स्वस्थ्य एवं आरोग्य समाज की स्थापना हेतु शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।
5.	PROGRAM	**Human Development**

	SPECIFIC (PSO) FOR PG	After completion of MSc human development course student it will be able to - 1. Understand historical aspects of Human Development. 2. Understand stages, principles and factors affecting pre and post natal care and development. 3. Understand family, social and cultural environment. 4. Find solution for problems related to special and problematic child. 5. To double up adjusting abilities in different stages of family life cycle. 6. To established Nursery School, Jhula Ghar, counseling centre, mental health centre. 7. To become eligible for anganbadi karykarta, trainer, supervisor, project officer and program officer in human women and child development Department. 8. To provide services in form of child safety counsellor and domestic violence counsellor. 9. To establish coaching centre and private tuitions. 10. To contribution in NGO groups. **Resource management** After completion of MSc course - 1. Student will be able to develop managerial skills for small and large Industries. 2. To develop physical and mental ergonomics to landscape decoration in house, Institutions and Gardens. 3. To innovate in research through ICT. 4. Utilize principles of design for house construction. 5. To understand consumerism in changing economic environment. 6. To understand environment management. 7. To identify opportunities of entrepreneurship and established business venture. 8. To develop for hospitality administration skills. 9. To develop effective communication skills. **Food and nutrition** After completion MSc course students will be able to- 1. Understand human physiology. 2. Understand nutritional biochemistry. 3. Understand micro biological Food Science creates awareness for general, clinical and therapeutic nutrition. 4. Understand Food Science in current trends. 5. Innovate in research related to food and nutrition. 6. Work in the hospital, rehabilitation centre and different institution as a dietician and counsellor. 7. Develop skills for health and fitness centre and other food industries. 8. Become eligible for teacher professor and home scientist post in home science. 9. Established food product related industries.
	स्नातकोत्तर स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	**मानव विकास** एम.एससी. मानव विकास का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को पूर्ण करनें के पश्चात् विद्यार्थी सक्षम होगें– 1. मानव विकास का ऐतिहासिक स्वरूप समझने में। 2. जन्मपूर्व एवं जन्मोपरांत मानव विकास की अवस्थाओं, सिद्धांतों व प्रभावी कारकों को समझने में। 3. पारिवारिक, सामाजिक व सांस्कृतिक परिवेश समझने में। 4. विषिष्ट एवं समस्यात्मक बालकों की समस्याओं के निराकरण में 5. जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में पारिवारिक एवं बाह्य वातावरण के साथ समायोजन क्षमता विकसित करने में 6. नर्सरी स्कूल, झूलाघर, काउन्सिलिंग सेंटर,मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने में

		7. ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्ता , आंगनवाड़ी प्रशिक्षक, पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग हेतु आहर्ता प्राप्त करनें में 8. किशोरों एवं वृद्धवयस्कों हेतु सेवाएं प्रदान करने में 9. बाल सुरक्षा सलाहकार, डोमेसटिक वायलेंस सर्विसेस, चाइल्ड साइकॉलोजिस्ट, शिक्षक ,प्राध्यापक के रूप में सेवाऐं प्रदान करने में 10. निजी क्षेत्र में शिक्षण कार्य ,कोचिंग सेंटर का संचालन करने में 11. एन.जी.ओ. जैसे सामाजिक विंग के लिये कार्य करने में। **संसाधन प्रबंधन** इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करनें के पष्चात विद्यार्थी सक्षम होगें– 1. लघु एवं वृहद संस्थाओं हेतु प्रबंधकीय कौशल विकसित करने में। 2. शारीरिक एवं मानसिक श्रमदक्षता विकसित करनें में। 3. घरों, संस्थानों, बगीचों हेतु भूमिस्थल सज्जा करनें में। 4. आई. सी. टी. के माध्यम से अनुसंधान नवाचार करने में। 5. आवास निर्माण हेतु डिजाइन के सिद्धांतों का अनुप्रयोग करनें में 6. परिवर्तित आर्थिक वातावरण में उपभोक्तावाद समझने में। 7. पर्यावरण प्रबंधन समझने में। 8. उद्यमिता के अवसर पहचानकर उद्यम स्थापित करने में। 9. आतिथ्य सत्कार प्रषासन कौषल विकसित करने में। 10. प्रभावी संचार कौशल विकसित करनें में। **आहार एवं पोषण** इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करनें के पष्चात विद्यार्थी सक्षम होगें– 1. शरीर क्रिया विज्ञान समझाने में 2. पोषणीय जैव रसायन समझने में 3. सूक्ष्म जैवकीय आहार विज्ञान समझने में 4. सामान्य नैदानिक एवं उपचारात्मक पोषणिक जागरूकता उत्पन्न करने में 5. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भोज्य विज्ञान समझने में 6. आहार एवं पोषण सम्बन्धी अनुसंधान नवाचार करने में 7. अस्पताल पुर्नःवास केन्द्र एवं विभिन्न संस्थानों में डायटीषियन एवं परामर्षदाता के रूप मे कार्य करने में 8. हैल्थ एवं फिटनेस सेंटर्स तथा फूड इन्डस्ट्रीज में कार्य करने की क्षमता विकसित करने में 9. गृह विज्ञान विषय मे शिक्षिका, प्राध्यापक एवं गृह वैज्ञानिक आदि पदों हेतु आहर्ता प्राप्त करने में 10. भोज्य पदार्थो से संबंधित उद्यमों को स्थापित करनें में।
7.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR Ph.D	After completion of Ph.D students will be develop following abilities - 1. Create interest towards research work. 2. They will be to identify research problems. 3. They will be able to prepare research synopsis. 4. They will be able to efficiently finish research work. 5. They will be able to solve problems during research work. 6. They will be able to give suggestions related to future national research projects. 7. They will develop qualities of a research guide.
	पीएच.डी के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	पीएच.डी पूर्व करने के उपरांत छात्रायों में निम्नलिखित क्षमताऐं विकसित होगीं 1. छात्रायों में शोधकार्यो के प्रति रूचि जागृत होगीं। 2. वे शोध समस्या की पहचान करने में सक्षम होंगी। 3. वे शोध प्रस्ताव तैयार करने में सक्षम होंगी। 4. उनमें शोध कार्य करने की दक्षता विकसित होंगी। 5. वे शोध कार्य मे आने वाली समस्या के समाधान करने में सक्षम होंगी। 6. वे भावी राष्ट्रीय शोध योजनाओं हेतु सुक्षाव देने में सक्षम होंगी। 7. उनमे शोध मार्ग दर्शन बनने हेतु गुणो का विकास होंगा।